Daily Gospel Reflections in Hindi

09 September 2019

लूकस 12: 35 - 40

Ever vigilant servants

जब हम कहीं बाहर दूर चले जाते हैं, तब हम अपने घर, सम्पत्ति किसी को संभालने के लिए छोड़ देते हैं, जो सही मायनें में अपने घर की देख–रेख कर सके। येसु मसीह में बपतिस्मा हर एक विश्वासीयों के जीवन में बहुत कुछ जमा किया जाता है येसु मसीह के गैर मौजूदगी में भी सही सलामत देख–रेख कर सके। तभी जब मालिक आते हैं, तब हम खुशियों के साथ स्वागत कर सकते हैं।

Karl Barth कहता है की येसु में मुक्ति का मतलब है "कैदी से पहरेदार बनना ।" कैदी को आजादी तो मिल गई, लेकिन हर समय पहरे करने की आवश्यकता है। हम सभी ख्रीस्तीयों को भी इसी प्रकार दर समय पहरेदार बनकर मसीह की आगमन का इन्तजार करना है।

हर–एक जिंदगी का सफर एक चुनौती है, और आज का सुसमाचार तैयार एवं सतर्क रहने की प्रेरणा देता है। पूरी लगन एवं आत्यिमता के साथ जब ख्रीस्तीयता को लागू करेंगे, तब हमारी कथनी और करनी पूर्ण होंगे। येसु से वचनों की नजदीकी हमारे सतर्कता की पहचान है।

Rev. Fr. Santo Pullan

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019